हिन्दी

एम.ए. भाग १ (२००२) की परीक्षा के लिए

नोट. -हिन्दी गौण के छात्रों के लिए प्रश्नपत्र - १

-हिन्दी मुख्य के छात्रों के लिए प्रश्नपत्र - १, २, ३

-हिन्दी एन्टायर के छात्रों के लिए प्रश्नपत्र - १, २, ३, ४ ।

प्रश्नपत्र १ (आधुनिक गद्य : मुख्य तथा गौण) :

१. अलग अलग वैतरणी (संक्षिप्त) : शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद ।
२. हानूश : भीष्म साहनी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
३. ठुमरी : फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
४. श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

संदर्भ पुस्तकें

१. शिवप्रसाद सिंह : स्रष्टा और सृष्टि, सं. पांडेय शशिभूषण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
२. शिवप्रसाद सिंह : सं. अरुणेश नीरन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
३. भीष्म साहनी - व्यक्ति और रचना : राजेश्वर सक्सेना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
४. हिन्दी नाट्य प्रयोग के संदर्भ में : सुषमा बेदी, पराग प्रकाशन, दिल्ली ।
५. महादेवी (मूल्यांकन) : डॉ. परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
६. फणीश्वरनाथ रेणु अर्थात् - मृदंगिये का मर्म : सं. भारत यायावर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

प्रश्नपत्र २ (मध्यकालीन काव्य)

१. पद्मावत्त - जायसी : (संदर्भ के लिए षट्ऋतुवर्णन, नागमती वियोग वर्णन, और नागमती संदेशखण्ड) ।
२. कवितावली-तुलसीदास : सं. सुधाकर पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
३. मीराँबाई की पदावली : सम्पा. आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।
४. रसखान रचनावली : सं. पं. विद्यानिवास मिश्र, सत्यदेव मिश्र, वाणी प्राकाशन, दिल्ली ।

संदर्भ ग्रंथ

१. जायसी का पद्मावत-काव्य और दर्शन : गोविन्द त्रिगुणायत ।
२. जायसी काव्य-प्रतिभा और संरचना : हरिहरप्रसाद गुप्त ।
३. तुलसी : उदयभानु सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
४. मीरा का काव्य : डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
५. रसखान - जीवन और कृतित्व : देवेन्द्रप्रसाद उपाध्याय, आनन्द पुस्तक भवन, वाराणसी ।
६. मध्यकालीन कृष्ण काव्य : कृष्णदेव झारी, हिन्दी साहित्य संसार, दिल्ली ।
७. तुलसी के काव्यदर्श : सं. मालती दुबे, डॉ. रामगोपाल सिंह, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद ।

प्रश्नपत्र ३ : (समीक्षा सिद्धांत) :

समीक्षा और समीक्षा का इतिहास : ... ५० अंक

१. संस्कृत काव्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय १८वी शताब्दी तक (आचार्य भरत से पंडित जगन्नाथ तक) ।
२. हिन्दी काव्यशास्त्र का संक्षिप्त परिचय (केशव, चिन्तामणि देव, भिखारीदास, मतिराम, रामचंद्र शुक्ल) ।

(क) भारतीय समीक्षा के निम्नांकित सम्प्रदायों का अध्ययन :

१. **रस संप्रदाय :** रस का स्वरूप, रस की व्याख्या, भरत का रससूत्र, रससूत्र की व्याख्याएँ, (लोल्लट, शंकुक, भट्टनायक, अभिनवगुप्त आदि) साधारणीकरण ।
२. **अलंकार संप्रदाय :** अलंकार की व्युत्पत्ति, व्याख्या और परिभाषा, स्वरूप, वर्गीकरण भेद तथा अलंकारों का महत्त्व। अलंकार और बिम्बविधान ।
३. **ध्वनि संप्रदाय :** ध्वनि की स्थिति, अर्थ, व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिभाषा, आदृत काव्य भेद, ध्वनि और रस, ध्वनि संप्रदाय की देन, ध्वनि संप्रदाय की परंपरा ।
४. **रीति संप्रदाय :** रीति शब्द की व्युत्पत्ति, व्याख्या, स्वरूप, रीति के प्रकार, रीति और मार्ग, रीति और गुण।
५. **वक्रोक्ति :** वक्रोक्ति की व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिभाषा और स्वरूप, वक्रोक्ति के प्रकार, वक्रोक्ति की समग्रता, वक्रोक्ति और अलंकार, वक्रोक्ति परंपरा और इतिहास ।
६. **औचित्य संप्रदाय :** औचित्य की व्युत्पत्ति, व्याख्या, परिभाषा, स्वरूप, औचित्य के प्रकार, भेद ।

(ख) पाश्चात्य समीक्षा : ... ५० अंक

१. **अरस्तू का काव्यविचार :**
   - प्लेटो की कलाविषयक आपत्तियाँ
   - अरस्तू का कला विभाजन
   - ट्रेजेडी की परिभाषा और उसका स्वरूप
   - केथार्सिस (विरेचन)
   - अनुकरणवाद
२. **लोंजाइनस :**
   - उदात्त की अवधारणा और स्रोत

३. **वर्ड्सवर्थ का काव्यविचार :**
- वर्ड्सवर्थ की दृष्टि से काव्य का प्रयोजन
- वर्ड्सवर्थ की दृष्टि से कवि
- वर्ड्सवर्थ की दृष्टि से काव्यविषय और काव्यभाषा

४. **कॉलरिज का काव्यविचार :**
- कॉलरिज और सावयविक ऐक्य (ऑर्गेनिक हॉल)
- कॉलरिज की दृष्टि से कल्पना और ललित कल्पना (इमेजिनेशन और फेन्सी)
- कॉलरिज की दृष्टि से कविता ।

५. **टी. एस. इलियट का साहित्यविचार :**
- इलियट और परंपरा का सिद्धांत
- कला में निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- वस्तुगत सहसंबंधक (ऑब्जेक्टिव-को-रेलेटिव)
- प्रशिष्ट की अवधारणा
- आलोचना के सीमान्त ।

६. **मार्क्सवादी समीक्षा सिद्धांत**
- द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद
- ऐतिहासिक भौतिकवाद
- मार्क्सवाद की दृष्टि से साहित्य का प्रयोजन और समीक्षा का दायित्व ।

संदर्भ पुस्तकें

१. अरस्तू का काव्यशास्त्र : डॉ. नगेन्द्र, भारती भंडार, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
२. काव्य में उदात्ततत्त्व : डॉ. महेन्द्र चतुर्वेदी, नेशनल पब्लिक हा : स, दिल्ही
३. उदात्त के बारे में : निर्मला जैन
४. समीक्षालोक : प्रो. भगीरथ दीक्षित, समुदाय प्रकाशन, बम्बई
५. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लि. हाउस, दिल्ली
६. अभिनव का रसविवेचन : नगीनदास पारेख, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी
७. रससिद्धांत : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लि., दिल्ली ।
८. पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लि. हाउस, दिल्ली
९. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ. भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

प्रश्नपत्र ४ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य के इतिहास का विस्तृत अध्ययन (गुजरात सहित) :
(एंट्रायर हिन्दी के विद्यार्थियों के लिए) **— सन १९९० तक**

सूचना : १. **इतिहास का प्रश्नपत्र होने के कारण किसी प्रवृत्ति या विधा का विकास एवं ऐतिहासिक महत्त्व से संबंधित प्रश्न अपेक्षित हैं ।**

२. इतिहास से संबंधित प्रश्नों के उत्तर में पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, विधा या प्रवृत्ति का अभिप्राय - प्रारंभ, नामकरण, अन्य विधा या प्रवृत्ति से अन्तर, कथ्य और शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाएँ, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ आदि मुद्दे हो सकते हैं ।

३. प्रश्नपत्र को ५ (पाँच) विभागों में विभाजित किया गया है । प्रत्येक विभाग से एक-एक प्रश्न विकल्प सहित पूछा जाना आवश्यक है ।

विभाग - १ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ : (क) प्रयोगवाद (ख) नयी कविता (ग) अकविता (घ) जनवादी कविता या प्रतिबद्ध कविता (च) नवगीत धारा (छ) समकालीन हिन्दी कविता (ज) खंडकाव्य ।

नयी कविता : पृष्ठभूमि, नयी कविता का अभिप्राय, प्रयोगवाद और नयी कविता, कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख कवि, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

नवगीत धारा : पृष्ठभूमि, गीत परम्परा और नवगीत, छायावादी संस्कार और नवगीत, विशेषताएँ - ग्रामांचल के प्रति रुझान, सामाजिक बदलाव के प्रति रुख, बोलचाल की भाषा, लोकधुन और लय का समावेश, प्रमुख नवगीतकार, उपलब्धियाँ और सीमाएं.

विभाग - २ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास

(क) आँचलिक उपन्यास, (ख) मनोवैज्ञानिक उपन्यास, (ग) सामाजिक उपन्यास, (घ) ऐतिहासिक उपन्यास (च) लघु उपन्यास ।

विभाग - ३ : स्वातंत्र्योत्तर एकांकी, नाटक एवं आलोचना

(क) स्वातंत्र्योत्तर एकांकी : पृष्ठभूमि, नया उन्मेष, रंगचेतना कथ्य एवं शिल्पगत विशेषताएँ, प्रमुख एकांकीकार, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : पृष्ठभूमि, आधुनिक रंगमंच और हिन्दी नाटक, प्रारंभिक प्रयास - अश्क, माथुर के नाटक, मोहन राकेश के नाटक एवं हिन्दी नाटक में रंगचेतना, साठोत्तरी प्रयोगशील नाटक, अनूदित नाटक - बंगला, मराठी, कन्नड़, गुजराती आदि, प्रमुख नाटककार एवं नाटक, देशी-विदेशी नाटककारों एवं नाटकों का हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर प्रभाव, नुक्कड़ नाटक, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

(१) प्रयोगशील नाटक : पृष्ठभूमि, परिस्थितियाँ, प्रयोगशीलता का उन्मेष – कथ्य के संदर्भ में, शिल्प के संदर्भ में, मंच के स्तर पर, भाषा के स्तर पर, प्रमुख प्रयोगशील नाटककार एवं नाटक, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ ।

(२) गीत नाट्य : पृष्ठभूमि, गीतनाट्य का वैशिष्ट्य, नाटक और गीतिनाट्य, रचना, हिन्दी गीतिनाट्य - एक सर्वेक्षण, प्रमुख हिन्दी गीतिनाट्य, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

(३) नुक्कड़ नाटक : उद्‌भव एवं विकास, सामाजिक आन्दोलन और नुक्कड़ नाटक, नुक्कड़ नाटक और मंच, नुक्कड़ नाटक और दर्शक, हिन्दी में नुक्कड़ नाटक आन्दोलन, विशेषताएँ, शक्ति, सीमा एवं संभावनाएँ ।

(ग) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना : पृष्ठभूमि - हिन्दी आलोचना का उदय - पं. रामचंद्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना । (१) काव्यशास्त्रीय आलोचना - वैशिष्ट्य, आलोचक, (२) स्वच्छंदतावादी आलोचना, (३) मार्क्सवादी आलोचना, (४) नई आलोचना, (५) मनोविश्लेषणात्मक आलोचना, (६) शैली वैज्ञानिक आलोचना, हिन्दी आलोचना में विचारधारात्मक संघर्ष का स्वरूप - कविता क्या है, कवि-कर्म का स्वरूप, कविता की स्वायत्तता, विचारधारा और साहित्य, परम्परा और प्रतिबद्धता, उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ ।

विभाग ४ : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध एवं कहानी

(क) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध : (१) विचारप्रधान निबंध, (२) ललित निबंध, (३) हास्य एवं व्यंग्यप्रधान निबंध, (४) समीक्षात्मक निबंध ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी :

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी - एक सर्वेक्षण,

हिन्दी कहानी आन्दोलन : नयी कहानी, अकहानी, समान्तर कहानी, समकालीन कहानी तथा अन्य कहानी आन्दोलन ।

नयी कहानी आन्दोलन : नयी कहानी : नामकरण और प्रारंभ, पूर्ववर्ती कहानी और नयी कहानी, वैशिष्ट्य - आधुनिक बोध - नगर कथा और ग्राम कथा, नये कहानीकार और उनकी कहानियाँ, सीमा और उपलब्धियाँ ।

अकहानी और समान्तर कहानी : अकहानी आन्दोलन के तर्क, अकहानी, निषेधमूलक प्रवृत्ति, अकहानी की विशेषताएँ, प्रमुख कहानीकार, समांतर कहानी, वैशिष्ट्य कहानीकार, सीमा और उपलब्धियाँ ।

समकालीन कहानी, जनवादी कहानी : सामाजिक और राजनैतिक, पृष्ठभूमि, वैशिष्ट्य, समकालीन कहानीकार एवं कहानियाँ; शक्ति और संभावनाएँ ।

विभाग - ५ : गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य

(क) स्वातंत्र्योत्तर काव्य - प्रबंध काव्य, गीत एवं ग़ज़ल, समकालीनबोध और गुजरात की हिन्दी कविता ।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर उपन्यास साहित्य ।

(ग) स्वातंत्र्योत्तर कहानी ।

(घ) स्वातंत्र्योत्तर निबंध साहित्य ।

संदर्भ ग्रंथ

१. 'हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास' : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन ।

२. 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' : सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन ।

३. 'द्वितीय महायुद्धोत्तर हिन्दी साहित्य का इतिहास' : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, हिन्दी परिषद, इलाहाबाद ।

४. नयी कविता : डॉ. कान्तिकुमार, मध्यप्रदेश ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।
५. नया काव्य, नये मूल्य : ललित शुक्ल, मैकमिलन, दिल्ली ।
६. कविता के नये प्रतिमान : नामवरसिंह, राजकमल, दिल्ली ।
७. शब्द और मनुष्य : परमानन्द श्रीवास्तव, राजकमल, दिल्ली ।
८. समकालीन हिन्दी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल, दिल्ली ।
९. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल दिल्ली ।
१०. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा : डॉ. रामदरश मिश्र, राजकमल, दिल्ली ।
११. उपन्यास, स्थिति और गति : डॉ. चन्द्रकान्त वांदिवडेकर, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली ।
१२. हिन्दी उपन्यास के सौ वर्ष : सं. रामदरश मिश्र, गिरनार प्रकाशन, मेहसाना ।
१३. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में व्यंग्य : डॉ. किशोरसिंह राव, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद ।
१४. आँचलिकता और हिन्दी उपन्यास : डॉ. नगीना जैन, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।
१५. हिन्दी उपन्यास और राजनीतिक आन्दोलन : भगवतशरण अग्रवाल, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद ।
१६. हिदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख, लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
१७. समसामयिक हिन्दी नाटकों में चरित्र-सृष्टि : जयदेव तनेजा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।
१८. हिन्दी के प्रतीक नाटक : रमेश गौतम, नचिकेता प्रकाशन, नई दिल्ली ।
१९. अद्यतन हिन्दी उपन्यास : डॉ. बिन्दु भट्ट, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद ।
२०. हिन्दी निबन्ध के सौ वर्ष : सं. मृत्युंजय उपाध्याय, गिरनार प्रकाशन, मेहसाना ।
२१. हिदी गद्य विन्यास और विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद ।
२२. हिन्दी कहानी के सौ वर्ष : सं. वेदप्रकाश अमिताभ, मधुबन प्रकाशन, मथुरा ।
२३. साठोत्तरी हिन्दी उपन्यास - विविध प्रयोग : डॉ. कुसुम शर्मा, श्याम प्रकाशन, जयपुर ।
२४. हिन्दी समीक्षा - स्वरूप और संदर्भ : डॉ रामदरश मिश्र, मैकमिलन, दिल्ली ।
२५. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध साहित्य में व्यंग्य : उषा शर्मा, आत्माराम एंड संस, दिल्ली ।
२६. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखन : सं. डॉ. रघुवीर चौधरी, डॉ. आलोक गुप्त, वितरक-पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद।
२७. आधुनिक हिन्दी साहित्य गुजरात : डॉ. रामकुमार गुप्त अभिनन्दन ग्रंथ, हिन्दी साहित्य परिषद, अहमदाबाद ।